Summary

Project **Impact study on Beekeeping with Indigenous Honeybee *Apis Cerana indica* and *Trigona* for increase in crop yields, sustainable livelihoods and biodiversity conservation in Chhindwara district.**

कार्यकारी संस्था – अन्डर द मैंगो ट्री सोसायटी, भोपाल

परियोजना के उद्देश्य –

1. To study the availability of indigenous bees in the area
2. To assess the awareness and practice of honey hunting among the communities.
3. To study the increase in indigenous bees with the project interventions
4. To assess the impact of the indigenous honey bees on agriculture produce.
5. Study the increase in/improved livelihood of small and marginal farmers

परियोजना का विवरण–

परियोजना जुन्नारदेव विकासखंड के तीन गांवों क्रमशः छावड़ा, कांगला एवं खापा में क्रियान्वित की गई। परियोजना के माध्यम से तीन ग्रामों में मधुमक्खी पालकों के समूह तैयार कर मधुमक्खी पालन के माध्यम से परागण सेवाओं को बढ़ाने एवं फसलों की पैदावार में वृद्धि का कार्य किया गया। मधुमक्खी पालन हेतु स्थानीय प्रजातियों– ऐपिस सेरेना एवं ट्रिगोना का उपयोग किया गया। मधुमक्खी पालन आजीविका को मजबूत करने का एक उपयोगी साधन है क्योंकि यह आय के विविध स्त्रोत बनाता है। परियोजना ने निम्न पहलुओं को प्रभावित किया –

परियोजना के निष्कर्ष–

1. 4 गांवों के 74 किसान परिवारों को मधुमक्खी पालन के बारे में जागरूक किया गया।
2. 48 किसानों को आजीविका और सेवा का एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए मधुमक्खी पालन में प्रशिक्षित किया गया, जिनमें से 30 किसानों को मधुमक्खी पालक के रूप में तैयार किया गया जिनके पास 69 मधुपेटियॉ हैं।
3. मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी पालन के उन्नत मॉडयूल में प्रशिक्षित किया गया। परियोजना की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिये यह सभी 3 मास्टर ट्रेनर सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।
4. 6 पारंपरिक शहद एकत्रित करने वालों (48 प्रशिक्षितों में से) को नेचुरल कॉलोनी ट्रांसफर एक्सपर्ट्स और कॉलोनी स्पॉटर के रूप में प्रशिक्षित किया गया था ताकि परियोजना से जुडकर यह शहद के शिकार को छोडकर आय के अन्य जुडे हुए स्त्रोतों को विकसित किया जा सके।
5. परियोजना के दौरान 8 मधुमक्खी पालकों द्वारा कुल 10.1 किलोग्राम शहद निकाला गया, जिसमें दिखाया गया कि शहद निकालने के लिए मधुमक्खियों को मारने की आवश्यकता नहीं है।

ग्रामवासियों के साथ बैठक

ग्रामवासियों के साथ बैठक

बी–बॉक्स का निरीक्षण करते संस्था के मास्टर ट्रेनर